भारत सरकार
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारां कत प्रश्न सं0 **4655**
दिनांक **22** जुलाई, 2019

बायो-डीज़ल

4655. श्री रमेशभाई लवजीभाई धडुकः

क्या पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) क्या देश में बायो-डीजल की बड़े पैमाने पर बिक्री हो रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और बायो-डीजल की गुणवत्ता का पता लगाने के लए क्या मानदंड है;
(ख) क्या बायो-डीजल बेचने वाले आउटलेट्स ने इस संबंध में सरकार से कोई स्वीकृति ली है;
(ग) जैव ईंधन फसलों की खेती को बढ़ाने के लए कृ ष और कसान वकास मंत्रालय और राज्य सरकारों के सहयोग से मंत्रालय द्वारा उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है; और
(घ) क्या मंत्रालय कृ ष और कसान वकास मंत्रालय के साथ मलकर कसानों से जैव ईंधन की फसल खरीदने के बाद इस ईंधन की न्यूनतम मूल्य पर बिक्री कर रही है/सुनिश्चित करने का वचार है?

उत्तर
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री
(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)

(क) और (ख) भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा वनिर्दिष्ट मश्रण सीमाओं और वनिर्दिष्ट मानकों के अनुसार, सरकार ने सभी उपभोक्ताओं को हाईस्पीड डीजल के साथ मश्रण के लए बायो डीजल (बी100) की सीधी बिक्री करने की अनुमति दिनांक 29 जून, **2017** से दे दी है। इस उद्देश्य के लए, दिनांक 01.05.2019 की अ धसूचना द्वारा "परिवहन उद्देश्यों के लए हाई स्पीड डीजल के साथ मश्रण हेतु बायो डीजल की बिक्री संबंधी दिशा निर्देश-2019" जारी कए गए हैं।

(ग) और (घ) भारत पेट्रो लयम कार्पोरेशन ल0 (बीपीसीएल) और इं डयन ऑयल कार्पोरेशन ल0 (आईओसीएल) ने उत्तर प्रदेश में ग्राम पंचायतों की मदद से जटरोफा का रोपण करने के लए संयुक्त उद्यम (जेवीज)/सी मत देयता भागीदारी (एलएलपीज) पर हस्ताक्षर कए थे।

बीपीसीएल ने "भारत रिन्युएबल एनर्जी ल0 (बीआरईएल)" नाम की एक संयुक्त उद्यम (जेवी) कंपनी बनाई थी जिसने पंचायतों के साथ उनकी बंजर भू म पर जटरोफा/योंगे मया पौधे उगाने के लए करार कया था। यह जेवी कंपनी कम उत्पादकता और अत्य धक प्रचालन लागत के कारण बंद हो गई थी।

इसी प्रकार, आईओसीएल ने पंचायत की बंजर भू म पर ग्राम पंचायतों द्वारा जटरोफा के रोपण के लए उत्तर प्रदेश सरकार की 'जीवन ज्योति योजना' नामक परियोजना में भागीदारी करने के लए एक एलएलपी फर्म अर्थात 'इं डयन ऑयल रु च बायो फ्यूल्स एलएलपी' का निर्माण कया था। एलएलपी ने 1818 हेक्टेयर भू म पर जटरोफा का रोपण करवाया था। आईओसीएल को एलएलपी छोड़नी पड़ी क्यों क जैव ईंधन उत्पादन के लए ग्राम पंचायतों द्वारा कोई बीज उपलब्ध नहीं कराए गए थे।

****